वरत करोरे नर एकादशी वालों ....

एकादशी

(1) वरत करोरे नर एकादशी वालो राम जी नाम बिना भक्ति किसी।
गुप्त दान कोई नर करसी। सुरज सोमी पुठे उछाले जल ओ अकुला।
वो करसी उस करणी रो नर होसी पारवीलया घर–घर पोणी।
भरसी वरत करो न ....

(2) गोडा जोड़ अठायो में बैठा चागल–चुगली वो करसी उस करणी।
रो नर होसी कागलों करो करो करतो वो फिरसी, वरत करो।।

(3) कागद ते कचेड़िया जावे चागल–चुगली वो करसी उस करणी।
नर होसी कुतरीयो गलयो में फिरतो वो फिरे सावरा कयेन ....।।

(4) पग अलवोणा वन मोय डोले जीवन हेर तो वो फिरसी उस करणी।
रो नर होसी झेतियों माते लियो धूड़ उड़ा वतो वो फिरसी। वरत करो न।।

(5) पनघट बैठो पैच संवारे पर नारी चित्त वो धरसी उस करनी रो।।
हो सी रे हिंजरो तालिया बजावतो वो फिरसी, वरत करो न ....।।

(6) ग्यारस ने मातो धोवे काजल टीकी रो करसी वो उस करणी रो नर।
होसी रे वेशिया रजवाड़ो हेरतो वो फिरसी, वरत करो न ....।।

(7) गऊ को दान कन्या दान कोई नर करसी उस करणी रो नर होसी।
राजवी हरि जीरो यो उमोवो चडसी वरत करो न ....।।

(8) सुर केवे रे प्रभु तुम्हारे भजन में विष्णु भक्ति कोई नर करसी।
उण करणी रो नर चड़क पालकिया वे कुड़ा वासा वो भरसी।।

जिभ्याँ जिन बस में करी, तिन बस किया जहान।
नहिं तो ओगुन उपजे, कहि सब संत सुजान।।

जीते जी रक्तदान मरणोपरान्त नेत्रदान